का पेश हो कू

16/12/25 पत्रा. पेश हुई कोल प्रार्थी एवं स्वयं प्रार्थी अनुपस्थित।
चूंकि दावा वादी मदद हाजिरी अदम पैरवी में खारिज
किया जा चुका है अतः प्रा. पत्र 212 RTA का कोई
औचित्य शेष नहीं रह जाता है। प्रा.पत्र इसी स्तर पर
खारिज किया जाता है।

पत्रा. फैसल शुमार हो, नंबर से कम होकर
दाखिल दफ्तर हो।

सहायक
नदबई जिला भरतपुर